हिंदी दैनिक
नागपुर मेट्रो समाचार
नागपुर, सोमवार, 17 फरवरी 2025

मेट्रो सिटी

मालगाड़ी में आग, रेलवे अधिकारियों की सूझबूझ से टला बड़ा हादसा

नागपुर. नागपुर रेलवे स्टेशन पर रविवार दोपहर को बड़ा हादसा होते-होते रह गया. जहां मेन लाइन पर खड़ी मालगाड़ी के एक टैंकर में आग लग गई, मालगाड़ी टैंकर के माध्यम से डीजल को मध्य प्रदेश के रतलाम से चंद्रपुर जिले की तडाली ले जा रही थी. आग लगते ही स्टेशन में हड़कप मच गया, जानकारी मिलते ही स्टेशन पर मौजूद रेलवे अधिकारी आग बुझाने के उपकरण लेकर मौके पर पहुंचे और आग को बुझाया, जिस समय यह आग लगी प्लेटफॉर्म एक पर तेलंगाना एक्सप्रेस खड़ी थी. अगर आग टैंकर में मौजूद डीजल तक पहुंच जाती तो ब्लास्ट तक हो जाता, हालांकि, अधिकारियों की सूझबूझ के कारण एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया, रतलाम से चंद्रपुर जिले के ताड़ाली जा रही एक तेल टैंकर मालगाड़ी दोपहर करीब 3.45 बजे नागपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर प्लेटफार्म 1 और 2 के बीच मुख्य लाइन पर आकर खड़ी थी, तभी तेल टैंकर मालगाड़ी में अचानक आग लग गई, कुछ ही देर में आग इतनी फैल गई कि उसने प्लेटफॉर्म के दोनों ओर लगे लकड़ी के शेडों को अपनी चपेट में ले लिया. जिस समय हादसा हुआ वहीं प्लेटफार्म नंबर एक पर तेलंगाना एक्सप्रेस आकर रुकी ही थी, रेलवे सुरक्षा बल के जवानों ने तुरंत अग्निशमन यंत्रों की मदद से आग बुझाने का प्रयास शुरू किया और दमकल विभाग को बुलाया गया, अंततः अथक प्रयासों के बाद आग पर काबू पा लिया गया, सौभाग्यवश, एक बड़ी आपदा टल गयी, इसमें कोई हताहत नहीं हुआ, निकटवर्ती तेलंगाना एक्सप्रेस को आगे भेज दिया गया, और मालगाड़ी को अजनी यार्ड में ले जाया गया.

तेलंगाना की पेंट्रीकार में आग लगने की आशंका

आग लगने का पता चलते ही स्टेशन पर हड़कंप मच गया, वहां मौजूद लोगों में दहशत फैल गई क्योंकि उन्हें लगा कि तेलंगाना एक्सप्रेस में आग लग गई है, जिसके कारण थोड़े समय के लिए स्टेशन परिसर में अफरा-तफरी मच गई, मिली जानकारी के अनुसार, आग के कारण तेलंगाना एक्सप्रेस के पेंट्रीकार में भी आग लगने की बात कही जा रही है, हालांकि, इसकी पुष्टि किसी ने नहीं की है।

दिल्ली की घटना के कारण नागपुर में बड़ी सतर्कता

शनिवार रात को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ मच गई थी, जिसमें 18 लोगों की मौत हो गई, कई गंभीर रूप से घायल हो गए। दिल्ली में हुई घटना के बाद देशभर में रेल प्रशासन अलर्ट मोड पर है। घटना को देखते हुए नागपुर रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा कड़ी की गई, जिसके कारण बड़ी संख्या में आरपीएफ के जवानों की तैनाती की गई थी, मालगाड़ी में आग कैसे लगी, इसकी जांच चल रही है।

बच्चे को दूध न पिला पाने की मजबूरी में मां ने की आत्महत्या

नागपुर. हुडकेश्वर थाना क्षेत्र के सर्वश्रीनगर में एक हृदयविदारक घटना सामने आई है. अपनी नवजात बेटी को दूध न पिला पाने के कारण मानसिक तनाव में आई माँ ने जहर पीकर आत्महत्या कर ली. मृतका की पहचान 26 वर्षीय भाग्यश्री वानखेडे के रूप में हुई है. भाग्यश्री का विवाह चार वर्ष पूर्व राजेश वानखेडे से हुआ था, जो पेशे से कुशन बनाने का काम करते हैं. शादी के चार साल बाद जब उन्होंने एक प्यारी-सी बेटी को जन्म दिया, तो पूरे परिवार में खुशियों का माहौल था, लेकिन यह खुशी अधिक समय तक टिक न सकी.

बेटी ने अचानक दूध पीना किया बंद माँ हुई चिंतित

जन्म के सवा महीने बाद अचानक बच्ची ने माँ का दूध पीना बंद कर दिया, जिससे भाग्यश्री तनाव में आ गईं, नवजात के लिए माँ का दूध ही पोषण का मुख्य स्रोत होता है, यह सोचकर वह और अधिक परेशान रहने लगीं, बच्ची की सेहत बिगड़ती देख उनका मन विचलित हो गया.

तनाव में लिया खौफनाक कदम

पति राजेश ने भाग्यश्री का तनाव कम करने के लिए उन्हें कुछ दिन के लिए लाखांदूर में उनकी बड़ी बहन के घर भेज दिया, लेकिन वहा भी वह अपनी बेटी की चिंता में डूबी रहीं और 11 फरवरी को अपने मायके से वापस लौट आईं, घर लौटने के बाद भी वह उदास और मानसिक रूप से परेशान थीं,अंततः 15 फरवरी को उसने जहर पीकर आत्महत्या कर ली.

परिवार में शोक की लहर

इस घटना से पूरा परिवार सदमे में है, पुलिस मामले की जांच कर रही है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है, माँ के इस दर्दनाक फैसले ने सभी को झंझोर कर रख दिया है.

पटाखे की फैक्ट्री में ब्लास्ट 2 की मौत

नागपुर.

नागपुर में पटाखे की फैक्ट्री में ब्लास्ट हो जाने से दो लोगों की मौत हो गई और कुछ लोग घायल हो गए. यह जानकारी एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने दी. ब्लास्ट की घटना रविवार दोपहर 1.30 बजे हुई. मौके पर पहुंची रेस्क्यू टीम ने ब्लास्ट के बाद फैली आग पर काबू पा लिया और अब स्थिति नियंत्रण में है. पीटीआई के मुताबिक कटोल तहसील में मौजूद एशियन फायरवर्क्स में ब्लास्ट हुआ है, कटोल तहसील नागपुर जिला मुख्यालय से 50 किलोमीटर दूर है. अधिकारी ने बताया कि दो लोगों की मौत हुई है और कुछ अन्य लोग घायल हुए हैं. घटना के कारण का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है.

मौके पर मौजूद हैं पुलिसकर्मी

ब्लास्ट से जुड़ा वीडियो सामने आया है जिसमें देखा जा सकता है कि आसपास सब कुछ बिखरा हुआ है और वहां बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात है. ब्लास्ट के बाद धुआं निकल रहा था और सांस लेने में तकलीफ की शिकायत की गई थी. इसलिए वहां मौजूद सभी पुलिसकर्मी चेहरे को मास्क या फिर रूमाल से ढंके हुए थे.

31 मजदूर काम कर रहे थे

बताया जा रहा है कि घटना के वक्त फैक्ट्री में 31 मजदूर काम कर रहे थे. टीओआई की रिपोर्ट के मुताबिक एसपी हर्ष ए पोद्दार ने दो लोगों की मौत की पुष्टि की है. हर्ष पोद्दार ने बताया, ''फॉरेंसिक जांच के बाद ही ब्लास्ट का कारण पता चल पाएगा. हमने आग बुझा दी और उसे नियंत्रित कर दिया है.'' घटना की जानकारी मिलते ही नागपुर ग्रामीण पुलिस, दमकल कर्मी, फॉरेसिंक एक्सपर्ट और एक्सप्लोसिव विभाग के कर्मचारी पहुंच गए थे. शुरुआत में ऐसी जानकारी मिली की कि कुछ मजदूर मलबे के नीचे दबे हुए हैं. इससे पहले जनवरी महीने में भंडारा के जवाहर नगर की ऑर्डिनेंस फैक्ट्री में ब्लास्ट हुआ था. जिसमें 8 कर्मचारियों की मौत हो गई थी.

होटल कर्मचारियों के पहचान संबंधी दस्तावेज थाने में दिये जाएं

नागपुर.

जिले के आसपास राजमार्ग, जिला मार्ग तथा ग्राम सडक सभी मार्गों पर होटेल/मोटल/रिसोर्ट/ढाबे/बार/ तथा शासनमान्य शराब की दुकानें शुरू है. इन दुकानों, होटल ,मोटल, ढाबो तथा रिसोर्टों में काम करनेवाले अधिकांश कर्मचारी सुरक्षा गार्ड बाहर गांव निवासी, बाहरी जिले तथा परप्रांतीय होते है.

इन सभी कर्मचारियों की पहचान के लिए संबंधित होटल,मोटल, ढाबे, रिसोर्ट, आदि संचालको /मालिकों ने कर्मचारीयों को काम पर रखते समय सभी का पहचान आधार कार्ड, निवास आदि की जानकारी के ए/बी/रोल जिले के संबंधीत थानों में दिये जाने के निर्देश जिला पुलीस अधिक्षक तथा सभी संबंधीत पुलीस स्टेशन के थानेदारों ने संबंधीत प्रतिष्ठानो के मालीकों को दिये जाने की मांग स्थानिकों ने की है.

कुंभ मेले के माध्यम से सामुदायिक एकता का योगः सीएम फड़णवीस

नागपुर.

सनातन संस्कृति का भव्य नजारा पेश करने वाला कुंभ मेला प्रयागराज में चल रहा है. जुनून का ऐसा भव्य संगम दुनिया में कहीं देखने को नहीं मिलेगा. हजारों वर्षों से चली आ रही मानव संस्कृति और सभ्यता का यह संगम हमें कुंभ मेले के अवसर पर देखने को मिलता है। कुंभ मेले में श्रद्धालु जाति, भाषा, पंथ भूलकर एक साथ आते हैं। मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस ने कहा कि यह सामुदायिक एकता का योग है।

मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस रविवार को रेशिम बाग मैदान में आयोजित 'महाकुंभ प्रयाग योग' कार्यक्रम में शामिल हुए। वह इस समय बात कर रहे थे. इस अवसर पर द सत्संग फाउंडेशन नागपुर सेंटर के अध्यक्ष सेवानिवृत्त न्यायाधीश सुनील शुक्रे, राजेश लोया, अमेय मेटे आदि उपस्थित थे।

कुंभ मेले में अब तक 50 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु स्नान कर चुके हैं. जो श्रद्धालु कुंभ मेले में शामिल नहीं हो सके, उनके लिए प्रयागराज के संगम का जल नागपुर लाया गया। इस मौके पर मुख्यमंत्री फड़णवीस ने कहा कि महाकुंभ प्रयाग योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया है.

प्रयागराज से जल रामटेक के माध्यम से नागपुर लाया गया ताकि जो लोग वहां नहीं जा सके वे भी इस पवित्र संगम जल से स्नान का अनुभव कर सकें। इसी के अनुरूप महाकुंभ प्रयाग योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

144 कलाकारों की टीम एवं शंखनाद

144 साल बाद प्रयाग में लगा है महाकुंभ मेला, 144 गायकों के समूह ने नागपुर में प्रयाग योग के लिए किया भजन और संकीर्तन. इसके साथ ही ब्रिगेडियर सुहास कुलकर्णी के नेतृत्व वाली टीम ने शंखनाद किया. इसके बाद आयोजन स्थल पर आए श्रद्धालुओं को गंगा जल अभिषेक का अवसर दिया गया।

नकली दस्तावेजों से प्लॉट की बिक्री, 32 लाख की ठगी

नागपुर. हुडकेश्वर थाना क्षेत्र में प्लॉट की फर्जी दस्तावेजों के जरिए बिक्री कर 32 लाख रुपये की ठगी करने का मामला सामने आया है। इस संबंध में अभय दत्तात्रय बोरकर (55, निवासी रामनगर, चंद्रपुर) की शिकायत पर पांच आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. पुलिस के अनुसार, आरोपियों में नितीन निखाड़े (निवासी इतवारी), पुंडलिक नत्थूजी भांडेकर (निवासी बजरंगनगर), विजय यादव (निवासी जुना सुभेदार), देवेंद्र मेश्राम (निवासी रामाजी वाड़ी) और एक अभय बोरकर नामक व्यक्ति शामिल हैं. मामला तब उजागर हुआ जब अभय बोरकर 9 नवंबर को अपने मानेवाड़ा स्थित ओम आदर्शनिय हाउसिंग सोसायटी के प्लॉट को देखने पहुंचे। वहां उन्हें नरेंद्र मिलमिले नाम के व्यक्ति का बोर्ड लगा मिला। पूछताछ में पता चला कि एक अन्य अभय बोरकर नामक व्यक्ति ने खुद को असली मालिक बताते हुए प्लॉट को 32 लाख रुपये में बेच दिया। सौदे में 9 लाख रुपये नकद और 21.50 लाख रुपये चेक के जरिए दिए गए. इस धोखाधड़ी का अहसास होते ही असली मालिक अभय बोरकर ने हुडकेश्वर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है.

पादुका दर्शन के दौरान पकड़ा गया जेबकतरा

नागपुर. रेशमबाग में आयोजित पादुका दर्शन और जल अभिषेक कार्यक्रम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी, इसी भीड़ का फायदा उठाकर जेब काटने वाले एक शातिर चोर को लोगों ने शनिवार दोपहर रंगे हाथ पकड़ कर पुलिस के हवाले किया. पकड़े गए चोर का नाम वाहिद रशीद 45) बताया जा रहा है, जिस पर पहले से ही कई चोरी के मामले दर्ज हैं। जानकारी के अनुसार शनिवार से शुरू हुए इस दो दिवसीय धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हो रहे हैं, इसी का फायदा उठाते हुए जेबकतरों ने अपनी हरकतें शुरू कर दीं, शनिवार को एक श्रद्धालु की जेब काटते हुए वाहिद रशीद नामक जेबकतरे को लोगों ने पकड़ लिया, वाहिद रशीद पहले भी चोरी के कई मामलों में गिरफ्तार हो चुका है और हर बार पुलिस को चकमा देने के लिए बीमार होने का नाटक करता है. हालांकि, इस बार सतर्क नागरिकों ने उसे मौके पर ही पकड़कर कोतवाली पुलिस के हवाले कर दिया, पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर आगे की जांच शुरू कर दी है.

एक्शन टेसा ने 'टेसा सलाम' के साथ मनया कारपेंटर्स मेगा मीट

नागपुर.

एक्शन टेसा भारत में एमडीएफ, एचडीएचएमआर, बॉईलो एवं पार्टीकल बोर्ड जैसे इंजीनिअर्स पॅनल उत्पादो का सबसे बडा निर्माता और लकडी पैनल उद्योग 'में अग्रणी है, एक्शन टेसा ने देशव्यापी उत्सवों की एक श्रंखला के साथ गर्व से 'मेगा कारपेंटर्स मिटींग का आयोजन मंगलवार दि. 12 फ़रवरी 2025 को राजवाड़ा महल नागपुर में किया था, आयोजन में कंपनी के डीजीएम, मनोज उपाध्याय, सिनियर आरएम अमिताभ घोषाल, ब्रांच मॅनेजर राजन दिक्षीत, विदर्भ एवं छत्तीसगढ के समस्त सेल्स प्रतिनिधी एवं नागपुर जिला के डिस्ट्रीब्यूटर्स उपस्थित थे. सभी ने कारपेंटर्स भाईयों का स्वागत किया. अमिताभ घोषाल ने आयोजन का संचालन करते हुए कहा कि ऐक्शन टेसा कारपेंटर्स के अमुल्य योगदान को मान्यता देने के लिये समर्पित है, जिनकी कारीगरी देशभर के अनगिनत घरों एवं व्यवसायों में सुंदरता एवं कार्यक्षमता लाती है।

इस मेगा मीट कार्यक्रम के आयोजन के माध्यम से एक्शन टेसा ने इस कार्यक्रम में उपस्थित कारपेंटर्स की कारीगरी को मान्यता देने के साथ साथ उन्हे उभरती तकनिको और नवाचारी डिझाईन तकनिको के बारे में जानने का एक मंच प्रदान किया. यह पहल एक्शन टेसा के ब्रांड दर्शन कोई नही ऐसा के अनुरुप है, जो अतुलनिय गुणवत्ता और उत्कृष्टता पर जोर देता है, पिछले एक दशक से कंपनी इन आयोजनो के माध्यम से कारपेंटर्स के साथ निकटता के साथ काम कर रही है, उन्हे मुल्यवान जानकारी और प्रक्षिकक्षण प्रदान कर रही है जिससे ब्रांड और लकडी के कामकाज उद्योग के साथ उनका संबंध और भी मजबूत हो रहा है। एक्शन टेसा के प्रबंध निर्देशक अजय अग्रवाल ने इस अवसर पर व्हीडीयों मॅसेज द्वारा कारपेंटर्स के प्रति अपनी गहरी प्रशंसा व्यक्त करते हुये कहा कि कारपेंटर्, इंजीनियरस् लकड़ी उद्योग की नींव है, उनकी कुशलता एवं रचनात्मकता के प्रति आभार व्यक्त किया, टेसा सलाम का अर्थ सम्मान की अभिव्यक्ति है, टेसा सलाम पहल का उद्देश्य कार्पेंटर्स की स्थिति को ऊंचा उठाना है और उनके परिश्रम और कारीगरी को पहचान दिलाना है, जिससे उद्योग में उनकी भूमिका और अधिक स्पष्ट और मूल्यवान हो सके.

योजनाओं के क्रियान्वयन में ढिलाई बरतने वालों के खिलाफ कार्रवाई करें

गडकरी ने की दिशा समिति की बैठक में योजनाओं की समीक्षा

नागपुर.

चाहे वह प्रधानमंत्री आवास योजना हो, सड़क विकास योजना हो या अमृत योजना हो. केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में ढिलाई बरतने वाले अधिकारियों या ठेकेदारों के खिलाफ कार्रवाई की जाए. नितिन गडकरी ने शनिवार को जिला कलेक्टर और नगर आयुक्त को यह निर्देश दिया। जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक केंद्रीय मंत्री गडकरी ने आयोजित की थी. इसका आयोजन नितिन गडकरी की अध्यक्षता में किया गया. सदर स्थित समायोजन भवन के सभागार में आयोजित बैठक में राज्यमंत्री आशीष जायसवाल, सांसद श्यामकुमार बर्वे, विधायक कृष्णा खोपड़े, विधायक कृपाल तुमाने, विधायक चरणसिंह ठाकुर, जिला कलेक्टर डॉ. विपिन इटनकर, मनपा आयुक्त डॉ.अभिजीत चौधरी सहित निर्देशन समिति के सदस्य उपस्थित थे। इस अवसर पर नागपुर जिले में क्रियान्वित की जा रही केंद्र सरकार प्रायोजित योजनाओं की समीक्षा की गई. गडकरी ने स्वच्छ भारत अभियान, सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, अमृत 1 और 2, प्रधानमंत्री आवास योजना, जल एवं अपशिष्ट प्रबंधन योजना, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, प्रधानमंत्री आदिवासी ग्राम विकास योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना, आयुष्मान भारत आदि विभिन्न योजनाओं को क्रियान्वित किया है।

'राहवीर' योजना को प्रभावी ढंग से लागू करें

सरकार सड़क दुर्घटना में घायल मरीज को किसी भी अस्पताल में इलाज कराने में मदद करेगी. यह योजना सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने क्रियान्वित की गई है। नागपुर शहर एवं जिले में इस योजना का प्रचार-प्रसार कर प्रभावी क्रियान्वयन करने के गडकरी ने स्पष्ट निर्देश जिला कलेक्टर और नगर आयुक्त को दिए है.

मंत्री ने की योजनाओं की समीक्षा

प्रधानमंत्री आवास योजना में गरीबों को मकान देने के कोई स्पष्ट निर्देश नहीं हैं, लेकिन साथ ही मकानों पर अवैध कब्जा करने वालों के खिलाफ पुलिस संरक्षण में कार्रवाई का निर्देश गडकरी ने दिया. उन्होंने कहा कि अगर गलत लोग प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना का लाभ ले रहे हैं तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। मंत्री ने ग्रामीण क्षेत्रों में अपशिष्ट प्रबंधन योजना की भी समीक्षा की। उन्होंने इस बात पर विचार करने का सुझाव दिया कि क्या गांव से एकत्रित कचरे का उपयोग सड़क निर्माण या खाद बनाने के लिए किया जा सकता है। अधिकारियों ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में 137 जलापूर्ति योजना का कार्य प्रगति पर है। मंत्री ने निर्देश दिए कि योजना का क्रियान्वयन करते समय पाइप लाइन बिछाने से पहले पानी का स्रोत निर्धारित किया जाए।

सिकलसेल और थैलेसीमिया के मरीजों को मिले इलाज!

नागपुर, भंडारा, गोंदिया, गढ़चिरौली और चंद्रपुर जिलों में आदिवासियों और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों में सिकलसेल और थैलेसीमिया की बड़ी समस्या है। इस समाज की पीढ़ियां पीड़ा झेलती रही हैं। उत्तर नागपुर में 80 प्रतिशत लोग सिकलसेल और थैलेसीमिया से पीड़ित हैं। हम नागपुर में इन बीमारियों के इलाज के लिए एम्स में एक प्रणाली बना रहे हैं। लेकिन हमें स्वयं इस ओर ध्यान देना चाहिए और इसे यथाशीघ्र लागू करना चाहिए, है. यह निर्देश गडकरी ने जिला कलेक्टर को दिया.

टाटानगर-इतवारी एक्सप्रेस 25 तक रद्द

कई अन्य ट्रेनें भी होंगी प्रभावित

नागपुर.

दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर रेलवे डिवीजन में बंडामुंडा स्टेशन पर नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के कारण टाटानगर-इतवारी एक्सप्रेस को 25 फरवरी तक रद्द कर दिया गया है। इसके साथ इस रूट पर चलने वाली अन्य कुछ ट्रेनों की समय अवधि में भी बदलाव किया गया है। 12 फरवरी से बंडामुंडा

स्टेशन पर 13 दिनों के लिए नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य किया जा रहा है, जिससे ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित होगी।

15 फरवरी से 25 फरवरी तक ट्रेन संख्या 18109 टाटानगर-इतवारी एक्सप्रेस और 18110 इतवारी-टाटानगर एक्सप्रेस का परिचालन पूरी तरह से बंद रहेगा। इसके अलावा, कई अन्य ट्रेनों पर भी असर पड़ेगा।

17 फरवरी को पुणे-शालीमार एक्सप्रेस 2 घंटे, नांदेड-संतरागाछी एक्सप्रेस डेढ़ घंटे की देरी से चलेगी। 22 फरवरी को हावड़ा-पुणे एक्सप्रेस और 24 फरवरी को सिकंदराबाद-रक्सौल स्पेशल ट्रेन 3 घंटे की देरी से पहुंचेगी। 25 फरवरी को भी शालीमार-एलटीटी एक्सप्रेस 2 घंटे और हावड़ा-मुंबई गीतांजलि एक्सप्रेस 4 घंटे की देरी से दौड़ेगी।

ट्रेन की स्थिति जरूर चेक कर लें

अगर आप इन दिनों इन ट्रेनों से यात्रा करने वाले हैं, तो अपनी ट्रेन की स्थिति जरूर चेक कर लें। रेलवे प्रशासन यात्रियों को असुविधा से बचाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है।

उमरेड थाने में तीन नए कानूनों पर जनजागृति कार्यशाला आयोजित

उमरेड. उमरेड तहसील विधि सेवा समिति और उमरेड पुलिस स्टेशन के संयुक्त तत्वावधान में तीन नए कानूनों को लेकर जनजागृति हेतु एक कार्यशाला का आयोजन उमरेड पुलिस स्टेशन में किया गया। इस कार्यशाला की अध्यक्षता उमरेड दिवाणी एवं फौजदारी न्यायालय के सहायक सरकारी वकील जे.एम. बोरकर ने की। कार्यक्रम में उमरेड तहसील विधि सेवा समिति के सदस्य एड. एस.एच. शास्त्रकार, एड. जे.पी. लिचडे और उमरेड पुलिस स्टेशन के थानेदार धनाजी जलक प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कार्यशाला में अतिथियों ने तीन नए कानूनों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। बताया गया कि भारतीय दंड संहिता के कुछ पुराने प्रावधानों को अब नए रूप में भारतीय न्याय संहिता में शामिल किया गया है। तीन प्रमुख कानून- भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारत साक्ष्य संहिता के बारे में नागरिकों को जागरूक किया गया। विशेषज्ञों ने इन कानूनों में हुए बदलावों और उनके प्रभावों पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया, ताकि आम जनता को इनके बारे में स्पष्ट समझ हो सके। कार्यशाला में उमरेड तहसील के पुलिस पाटिल, प्रतिष्ठित नागरिक, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर वाचनालय के स्पर्धा परीक्षा छात्र, देवराव इटनकर पब्लिक स्कूल के छात्र, अशोक कन्या विद्यालय की छात्राएं, शिक्षक, पत्रकार और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को कानून की जानकारी देना और उनके अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना था।

चेक बाउंस मामले में 6 माह की सजा

15 लाख 30 हजार का जुर्माना

उमरेड. उधार की गई रकम लौटाने के लिए दिया गया चेक बाउंस होने के मामले में न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, उमरेड के पीठासीन अधिकारी रा. भा. डोले ने आरोपी अब्दुल अकील अब्दुल शमी पटेल (निवासी परसोडी, उमरेड) को छह माह की सजा सुनाई है। इसके साथ ही वादी को 15 लाख 30 हजार रुपए अदा करने का आदेश भी दिया गया है। यदि आरोपी यह राशि जमा नहीं करता है, तो उसे अतिरिक्त 3 महीने की सजा भुगतनी होगी। अदालत ने यह फैसला 4 फरवरी 2025 को सुनाया। शिकायतकर्ता विकास सिर्सीकर ने आरोपी अब्दुल अकील को 7 लाख 65 हजार रुपए की रकम इस शर्त पर उधार दी थी कि वह एक महीने के भीतर रकम वापस कर देगा। लेकिन बार-बार मांगने के बावजूद आरोपी ने पैसे नहीं लौटाए। बाद में, 28 दिसंबर 2006 को आरोपी ने शिकायतकर्ता को आईडीबीआई बैंक का चेक दिया। जब शिकायतकर्ता ने चेक बैंक में जमा किया, तो वह बाउंस हो गया।

इसके बाद, विकास सिर्सीकर ने उमरेड की अदालत में आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कराया। वादकारी की ओर से अधिवक्ता एल.आर. मांडवकर ने अदालत में अपना पक्ष मजबूती से रखा। वहीं, आरोपी की ओर से अधिवक्ता अशोक झाड़े ने बचाव में दलीलें पेश कीं। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने आरोपी को दोषी पाते हुए 6 माह की जेल और 15 लाख 30 हजार रुपए का मुआवजा देने का आदेश सुनाया। यह फैसला चेक बाउंस मामलों में एक महत्वपूर्ण मिसाल के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें अदालत ने समय पर कर्ज की अदायगी और कानूनी दायित्वों को निभाने का स्पष्ट संदेश दिया है।

तेलगांव में भव्य शंकरपट एवं नाटक 'अंधारले वाटा' का आयोजन

सावनेर.

कलमेश्वर तहसील के तेलगांव गांव में 17, 18 और 19 फरवरी को आदर्श क्रीड़ा मैदान में भव्य शंकर पट तथा प्रसिद्ध नाटक 'अंधारले वाटा' का आयोजन किया गया है।

इस आयोजन का उद्घाटन पूर्व मंत्री सुनील केदार के करकमलों से होगा। इस अवसर पर रामटेक लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्याम कुमार बर्वे, पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष मुक्ता कोकडे, पूर्व उपाध्यक्ष कुंदा राउत, राजकुमार कुसुंबे, प्रवीण जोध, अवंतिका लेकुरवाडे, प्रकाश लांजेवार, वैभव घोंगे, नितिन राठी, पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष रश्मि बर्वे, पूर्व पंचायत समिति अध्यक्ष सावनेर गोविंदा ठाकरे, पूर्व पंचायत समिति सभापति कलमेश्वर प्रभाकर भोसले,

सावनेर की पूर्व सभापति अरुणा शिंदे, कृषि उत्पन्न बाजार समिति के सभापति बाबाराव पाटिल, क्रय-विक्रय समिति के सभापति बाबाराव कोढे, सावनेर कृषि उत्पन्न बाजार समिति के सभापति रवि चिखले, पूर्व उपसभापति दादा भिंगारे, राजेंद्र सुके, जयश्री वालके और पिंकी कौराटी समेत अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहेंगे।

आयोजन समिति के प्रमुख गजानन भिंगारे, अशोक गायधने, प्रीतम अंबडकर एवं तेलगांव ग्रामवासी सभी शंकर पट प्रेमियों से इस भव्य आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है। यह आयोजन न केवल शंकर पट की सांस्कृतिक परंपरा को आगे बढ़ाएगा, बल्कि नाटक 'अंधारले वाटा' के माध्यम से समाज को एक महत्वपूर्ण संदेश भी देगा.

पुरस्कारों की आकर्षक व्यवस्था

शंकर पट प्रतियोगिता के विजेताओं के लिए आकर्षक पुरस्कारों की घोषणा की गई है: प्रथम पुरस्कार: 1,12,000, द्वितीय पुरस्कार: 71,000, तृतीय पुरस्कार: 51,000 इसके अलावा, कुल 35 अन्य पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे, जिससे प्रतियोगिता में रोमांच और उत्साह का संचार होगा।

पोरवाल कॉलेज इतिहास विभाग ने किया अंबागढ़-गायमुख-चांदपुर शैक्षणिक भ्रमण

कामठी.

स्थानीय सेठ केसरीमल पोरवाल कॉलेज के इतिहास विभाग द्वारा अंबागढ़- गायमुख- चांदपुर तालुका तुमसर, जिला. भंडारा में एक दिवसीय शैक्षणिक दौरे का आयोजन किया गया। शैक्षिक भ्रमण के दौरान चांदपुर स्थित प्रसिद्ध हनुमान मंदिर का भ्रमण किया गया। यंहा योग प्रशिक्षक डॉ. जयंत रामटेके ने शैक्षणिक भ्रमण में सहभागी विद्यार्थियों को मार्गदर्शन कर ध्यान, समाधी का प्रात्यक्षिक कराया। शैक्षणिक भ्रमण के संयोजक एवं इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ. जितेन्द्र सावजी तागड़े से विद्यार्थियों ने अनेक प्रश्न पूछे, जिनका उत्तर देते हुए उन्होंने अंबागढ़ किले की संरचना के बारे में बताते हुए अंबागढ़ किले का निर्माण गोंड राजा बख्त बुलंद के राजखान नामक सूबेदार ने गोंड राजा के आदेश पर करवाया था।

सतपुड़ा पर्वत शृंखला में स्थित गायमुख का नाम गाय के मुख से गिरने वाले पानी के कारण पड़ा है। यह भारत में मौजूद 18 भोले शंकर मंदिरों में से एक है। यह ज्ञानवर्धक जानकारी देकर विद्यार्थियों की जिज्ञासा को शांत किया। इतिहास विभाग की प्रोफेसर धम्मदीना बोरकर ने विद्यार्थियों के साथ शैक्षिक यात्रा की योजना बनाने और आयोजन के लिए सुझाव साझा किए।

महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन बोर्ड ने घाट रोड से रियायती दरों पर एसटी बस उपलब्ध कराकर शैक्षणिक भ्रमण को विशेष सहायता प्रदान की। शैक्षणिक यात्रा की सफलता के लिए कॉलेज के प्राचार्य डॉ. विनय चव्हाण, उप प्राचार्य डॉ. मनीष चक्रवती, उप प्राचार्य डॉ. रेणु तिवारी, नोडल अधिकारी डॉ. प्रशांत ढोंगले, डॉ. विनोद शेंडे ने सहयोग किया। इस शैक्षिक भ्रमण में कुल 40 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

पोरवाल कॉलेज का भोपाल में शैक्षिक दौरा

कामठी.

सेठ केसरीमल पोरवाल कॉलेज के रसायन विज्ञान विभाग द्वारा हाल ही में एमएससी छात्रों और शोधार्थियों के लिए 11 फरवरी को सीएसआईआर-एएमपीआरआई, भोपाल, मध्य प्रदेश का शैक्षिक दौरा आयोजित किया गया। दौरे का उद्देश्य छात्रों में वैज्ञानिक स्वभाव पैदा करना और उन्हें शोध और उच्च अध्ययन करने के लिए प्रेरित करना था। यह मंत्रमुग्ध करने वाला और उल्लेखनीय वैज्ञानिक दौरा था। यह दौरा रसायन विज्ञान विभाग के प्रमुख और समन्वयक डॉ. रतिराम चौधरी के अथक प्रयासों से संभव हुआ, जिन्होंने सीएसआईआर-एएमपीआरआई से अनुमति प्राप्त की। दौरे के दौरान, छात्रों ने प्रतिष्ठित सीएसआईआर- एएमपीआरआई प्रयोगशाला का दौरा किया। जहां उन्होंने अत्याधुनिक शोध और तकनीकी नवाचारों के बारे में बहुमूल्य ज्ञान प्राप्त किया।

इसके अलावा, छात्रों ने यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल ऐतिहासिक सांची स्तूप का भी भ्रमण किया। इस तरह के दौरे आयोजित करने की कॉलेज की पहल छात्रों को समग्र शिक्षा प्रदान करने और उन्हें विज्ञान और अनुसंधान में सफल करियर के लिए तैयार करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। समन्वयक, डॉ. चौधरी, प्रबंधन, डॉ. एस.एस. धोंडगे, सीईओ, और एस. के. पोरवाल कॉलेज के प्रिंसिपल प्रो.डॉ.विनय चव्हाण को उनकी तत्काल सहमति और वित्तीय सहायता के लिए आभार व्यक्त किया हैं। वैज्ञानिक दौरे की शानदार सफलता के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले डॉ. मोंडल, डॉ. नागमोटे, अक्षता जांभुलकर, एस. रन्नावरे, पी. भीलकर, ए. कहाटे, एस. त्रिपाठी, पी. हडोले, आर. मदनकर और ए. निमजे का भी विशेष आभार व्यक्त किया।

पेंच व्याघ्र प्रकल्प में नाव से सैर, धूप सेंकते दिखेंगे मगरमच्छ

नागपुर. पेंच व्याघ्र प्रकल्प में अब चप्पू वाली नाव से नदी की सफारी कराई जा रही है। फ्लाइंग कोलितमारा में मछुआरों को यह काम दिया गया है। पूरी तरह से सुरक्षा व्यवस्था के साथ यह मछुआरे सुबह के समय नदी में पर्यटकों को सैर कराते हुए मगरमच्छों का दीदार करा रहे हैं। अब तक 2 हजार पर्यटकों ने इसका लाभ उठाया है। महाराष्ट्र के नागपुर जिले का पेंच जंगल हर किसी के लिए आकर्षण का केंद्र है। यहां करीब 9 सफारी गेट हैं। कुल बाघों की संख्या 50 से ज्यादा है। 789 वर्ग किमी में फैले इस जंगल में बाघ ही नहीं, तेंदुए-भालू भी देखने को मिलते हैं, इसलिए सैलानियों की संख्या लगातार यहां बढ़ रही है।

पर्यटकों को और भी आकर्षित करने के लिए यहां फ्लाइंग कोलितमारा शुरू किया गया है। अब यहां के रोमांच में एक और गतिविधि जुड़ गई है। दरअसल यहां पर कुछ अधिकृत मछुआरे हैं, जो मछली पकड़ते हैं। उनके पास चप्पू वाली नाव है। इन्हें नदी की पूरी जानकारी है, लेकिन यह मछली केवल शाम को पकड़ते हैं। दिनभर वह खाली रहते हैं। ऐसे में इन्हें पेंच प्रशासन की ओर से एक नया काम दिया गया है। इनकी नाव से पूरी सुरक्षा के साथ नदी की सैर कराई जा रही है, जिससे पर्यटकों को आसानी से मगरमच्छों का दीदार हो रहा है। पेंच नदी में हुए सर्वे के अनुसार यहां पर 35 से ज्यादा मगरमच्छ हैं, जो सुबह धूप सेंकने के लिए पानी के बाहर निकलते हैं.

उम्मीदों का सूरज कभी अस्त नहीं होता: डॉ. वेद प्रकाश मिश्रा

डॉ. शशिकांत शर्मा की कृति 'उम्मीदों का सूरज' का भव्य विमोचन संपन्न

नागपुर.

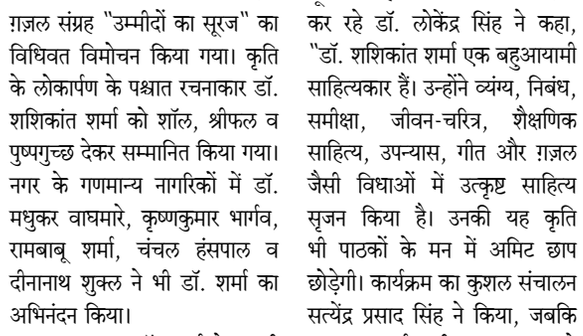

अर्चना साहित्यिक-सांस्कृतिक संस्था एवं नागपुर जिला हिंदी अध्यापक मंडल के अध्यक्ष, राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त डॉ. शशिकांत शर्मा के ग़ज़ल संग्रह "उम्मीदों का सूरज" का भव्य लोकार्पण संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम पत्रकार क्लब सभागृह में आयोजित किया गया, जिसमें स्वास्थ्य विश्वविद्यालय, कराड के कुलपति डॉ. वेद प्रकाश मिश्रा ने कृति का विमोचन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुप्रसिद्ध कवि एवं न्यूरोसर्जन डॉ. लोकेंद्र सिंह ने की, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में सुविख्यात आयुर्वेदाचार्य व साहित्यकार डॉ. गोविंद प्रसाद उपाध्याय एवं प्रधान आयकर कार्यालय, नागपुर के उपनिदेशक श्री अनिल त्रिपाठी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत मंचासीन अतिथियों द्वारा माँ शारदा की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन से हुई।

संस्था की सचिव शशि भार्गव 'प्रज्ञा' ने मधुर स्वर में सरस्वती वंदना प्रस्तुत कर कार्यक्रम को भावमय बना दिया। मंच पर उपस्थित अतिथियों का स्वागत संस्था की ओर से जयराम दुबे, ओमप्रकाश शिव, नरेंद्र परिहार, कृष्णकुमार द्विवेदी व तेजवीर सिंह ने पुष्पगुच्छ, शॉल व श्रीफल भेंट कर किया। संस्था संरक्षक डॉ. गोविंद प्रसाद उपाध्याय ने अपने वक्तव्य में संस्था की साहित्यिक व सांस्कृतिक गतिविधियों, उद्देश्यों और आगामी योजनाओं पर प्रकाश डाला। इसके उपरांत मंचासीन अतिथियों द्वारा ग़ज़ल संग्रह "उम्मीदों का सूरज" का विधिवत विमोचन किया गया। कृति के लोकार्पण के पश्चात रचनाकार डॉ. शशिकांत शर्मा को शॉल, श्रीफल व पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया। नगर के गणमान्य नागरिकों में डॉ. मधुकर वाघमारे, कृष्णकुमार भार्गव, रामबाबू शर्मा, चंचल हंसपाल व दीनानाथ शुक्ल ने भी डॉ. शर्मा का अभिनंदन किया।

इस अवसर पर डॉ. शर्मा ने अपनी कृति के प्रकाशक श्री राजेंद्र बिडकर व कार्यक्रम संचालक सत्येंद्र प्रसाद सिंह को पुष्पगुच्छ देकर धन्यवाद ज्ञापित किया। पुस्तक की समीक्षा करते हुए उपनिदेशक श्री अनिल त्रिपाठी ने कहा, "यह कृति न केवल पठनीय है, बल्कि संग्रहणीय भी है। इसके ग़ज़ल संग्रह में जीवन की आशा व उत्साह की झलक मिलती है। कुलपति डॉ. वेद प्रकाश मिश्रा ने अपने उद्बोधन में कहा, "सूरज प्रतिदिन उगता और अस्त होता है, लेकिन उम्मीदों का सूरज कभी अस्त नहीं होता। यह कृति जीवन में आशा, उत्साह और सकारात्मकता का संदेश देती है, जो निराशा के अंधकार को दूर करती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डॉ. लोकेंद्र सिंह ने कहा, "डॉ. शशिकांत शर्मा एक बहुआयामी साहित्यकार हैं। उन्होंने व्यंग्य, निबंध, समीक्षा, जीवन-चरित्र, शैक्षणिक साहित्य, उपन्यास, गीत और ग़ज़ल जैसी विधाओं में उत्कृष्ट साहित्य सृजन किया है। उनकी यह कृति भी पाठकों के मन में अमिट छाप छोड़ेगी। कार्यक्रम का कुशल संचालन सत्येंद्र प्रसाद सिंह ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन दीनानाथ शुक्ल ने किया। कार्यक्रम की सफलता में डॉ. भोला सरवर, अजय पांडे, टीकाराम साहू 'आजाद', पारसनाथ शर्मा, रामनारायण मिश्र, अक्षय सदावर्ते, हरजीत कौर, पुरुषोत्तम पंचभाई सहित कई साहित्य प्रेमियों ने सक्रिय भूमिका निभाई। इस अवसर पर संतोष कुमार दुबे, जयप्रकाश सूर्यवंशी, लक्ष्मीकांत तितरमारे, प्राचार्य डॉ. राजेंद्र मालोकर, अविनाश बागडे, आर.एम. मसंद, सुरेंद्र हरडे, खुशाल तिजारे, सुमन मसंद, मीरा रायकवार, माधुरी मिश्रा 'मधु', कुसुम शर्मा, सोनू सदावर्ते समेत शहर के कई गणमान्य साहित्यकार उपस्थित थे।

महाकुंभ के पावन गंगाजल से शिवालय में किया जलाभिषेक

कामठी.

श्री शिव पंचायतन मंदिर 'क' तीर्थ क्षेत्र एवं श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर परिसर की महिला मंडल द्वारा में शुक्रवार को प्रयागराज महाकुंभ से लाए गंगाजल से श्री शिव पंचायतन मंदिर में भगवान शिव की मूर्ति का जलाभिषेक किया गया।

शिव मंदिर में विधि-विधान से पूजन कर शिव आरती संपन्न कराई गई। यहां श्री शिव पंचायतन मंदिर "क" तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट, कामठी के अध्यक्ष चंद्रकान्त सिरिया, सचिव विनोद संगेवार, उपाध्यक्ष रामेश्वर बावनकर, उदय सीरिया, अजय अग्रवाल, सह सचिव मानिक बावनकर, कोषाध्यक्ष बलराज नामपल्लीवार, सदस्य होनाजी बोधमांगे, मोहन साहु, हरिश सिरिया, गोपाल यादव, मनीष गुप्ता, महेश बावनकर, राहुल संगेवार, रोहित ठोसरे, सुरेश चौरसिया, यशराम संगेवार, दीपक संगेवार, आकाश साहु, अपुर्व गुप्ता, पिंकू तिमांडे, शिवम राठोर, गंगाधर नागपुरे, छोटू नागपुरे, अमित ठाकुर, मायाराम ठाकुर, सोहम बावनकर, आशीष गुप्ता, भूरू प्रेम संगेवार, अमन संगेवार, दिलीप साहु, मनोज पिल्ले, प्रकाश साहु, श्री शिवपंचायतन मंदिर ट्रस्ट महिला समिति की सुहानी, सरला बावनकर, ज्योति बावनकर, नीला संगेवार, सरिता संगेवार, माया नामपल्लीवार, प्रतिभा गार्जलवार, प्रांजल बल्लेवार, शीतल बल्लेवार, ज्योति कुशवाह, प्रीति कुशवाह, गिरजा तिमांडे, छाया नागपुरे, रितु गुप्ता, संगीता शिवरकर, ओमेश्वरी संगेवार, अलका गुप्ता, आरती संगेवार आदि मौजूद रहे।

पीएम ई-बस का पहला मान नागपुर को, मिलेंगी 40 बसें

नागपुर.

केंद्र सरकार के पीएम ई-बस योजना के माध्यम से देश के विविध शहरों को विद्युत बसें उपलब्ध कराई जाएगी। विशेष यह कि पीएम ई-बस योजना का पहला मान नागपुर महानगर पालिका को मिलेगा। मई 2025 में मनपा को 40 ई-बसें प्राप्त होंगी। केंद्र सरकार के गृह निर्माण और शहरी व्यवस्था मंत्रालय, नई दिल्ली से नागपुर पहुंची केंद्रीय टीम ने काम का संयुक्त निरीक्षण किया। टीम ने मनपा के काम के प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। केंद्र सरकार के गृह निर्माण और शहरी व्यवहार मंत्रालय, नई दिल्ली के डिप्टी टीम लीडर राम पौनिकर, वरिष्ठ परिवहन

नियोजक अमनदीप कुमार, सलाहकार मिश्रा, जेबीएम कंपनी के कल्याण रेड्डी, सीईएसएल व बस आपूर्तिकर्ता वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को मनपा के विद्युत बस डिपो का संयुक्त निरीक्षण किया। इस अवसर पर परिवहन व्यवस्थापक विनोद जाधव, प्रशासकीय अधिकारी रवींद्र पागे, व्यवस्थापक (प्रशासन) विकास जोशी, व्यवस्थापक (ऑपरेशन) राजीव घाटोले, उपअभियंता केदार मिश्रा, यांत्रिकी अभियंता योगेश लुंगे, विद्युत अभियंता प्रशांत कालबांडे, राजस्व निरीक्षक समीर परमार उपस्थित थे। शहर बस परिवहन के विस्तार को प्रोत्साहन व समर्थन देने के लिए केंद्र सरकार के गृहनिर्माण और शहरी व्यवहार मंत्रालय, नई दिल्ली की ओर से पीएम ई-बस सेवा योजना देश में चलाई जा रही है। इसमें नागपुर शहर के लिए 150 ई-बसें प्राप्त होंगी। इसके साथ खापरी डिपो और कोराडी डिपो दोनों का विकास भी मूलभूत सुविधा अंतर्गत किया जाएगा। केंद्र सरकार की ओर से महावितरण अंतर्गत एचटी एंड एलटी इलेक्ट्रिक जोड़ने के लिए तथा स्थापत्य विषयक कामों को निधि उपलब्ध कराई जाएगी। उपरोक्त दोनों डिपो में से कोराडी डिपो अप्रैल 2025 के अंत तक तैयार किया जाएगा। महावितरण ग्रामीण (कोराडी) द्वारा कोराडी डिपो के लिए 33 केवी लोड हाईटेंशन का काम लगभग पूरा किया गया है। लोड लोटेंशन का व स्थापत्य विषयक का काम प्रगति पर है।

एकता फाउंडेशन की नवनियुक्त प्रभारी अरुणा बावनकुले सम्मानित

कामठी. एकता फाउंडेशन सामाजिक संगठन संस्थापक अध्यक्ष डॉ. जय संजय रामटेके द्वारा अरुणा राजेंद्र बावणकुले को कामठी तहसील क्षेत्र प्रभारी पद पर नियुक्त करते हुए क्रांति ज्योती शिक्षण सम्राट सावित्रीबाई फुले राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस मौके पर महाराष्ट्र प्रदेश प्रचारक व नागपुर ज़िला प्रभारी शाहीर डॉ. राजेंद्र भीमराव बावनकुले प्रमुखता से उपस्थित रहे। नवनियुक्त कामठी तहसील क्षेत्र प्रभारी अरुणा बावनकुले ने सामाजिक, पर्यावरणीय और स्थिरता संबंधी क्षेत्रों में कार्य करने का आश्वासन दिया।

भंडारा जिले में पेयजल संकट से निपटने खर्च होंगे 6.24 करोड़

> 422 गांवों में ठोस उपाययोजना करने की तैयारी

भंडारा.

जिले में ग्रीष्मकाल के दौरान पेयजल संकट निर्माण होने की संभावना को देखते हुए वर्ष 2024-25 इस वर्ष के लिए जिला परिषद के पेयजलापूर्ति विभाग ने नियोजन किया है। इसके तहत अप्रैल से जून तक निर्माण होने वाले जलसंकट के लिए पूर्व तैयारी की जाएगी। इसमें 422 गांवों के लिए 529 काम प्रस्तावित है। इसके लिए कुल 6.24 करोड़ का खर्च अपेक्षित है। ग्रीष्मकाल को कुछ दिन बाकी है। लेकिन काम की शुरुआत नहीं हुई है।

पेयजल किल्लत की कमी से निपटने के लिए तीन स्तरों का नियोजन किया है। जनवरी से मार्च, अप्रैल से जून तथा अक्टूबर से दिसंबर ऐसे तीन चरणों में काम किया जाता है। भूजल सर्वेक्षण विभाग द्वारा तैयार किए गए

नियोजन पर प्रतिक्रिया ली जाती है। विभागीय आयुक्त के हस्ताक्षर के पश्चात उसे अंतिम रूप दिया जाता है। कृति नियोजन मंजूरी के लिए जिलाधिकारी के पास भेजा गया है। ऐसे में प्रत्यक्ष कामों की शुरुआत नहीं हुई है। पेयजल किल्लत पर मात करने के लिए छह से सात माह का नियोजन किया जाता है। जिलाधिकारी के मान्यता के बाद यह नियोजन मंजूर किया जाता है। टैंकर, अस्थायी पेयजल योजना, कुएं, नए कुएं, सरकारी कुएं से मिट्टी व गाद निकालने आदि का समावेश है। इसके लिए प्रत्येक गांव के ग्रामसभा में मांग अनुसार

गत वर्ष 3 करोड़ 23 लाख किए थे खर्च

वर्ष 2023-24 में कृति नियोजन के अनुसार 340 गांवों में 472 कामों का नियोजन किया गया था। इसके लिए तीन करोड़ 23 लाख 56 हजार रुपयों के खर्च का प्रावधान किया गया। वर्ष 2024-25 के लिए 422 गांवों में 529 कामों का समावेश है। इसके लिए कुल 624.42 लाख का नियोजन किया गया।

ग्रीष्मकाल अथवा ग्रीष्मकाल के अंत में पानी की मांग अनुसार जिला परिषद में दर्ज किया जाता है। ग्रीष्मकाल में पेयजल की किल्लत को ध्यान में रखते हुए कुछ उपाय किए जा रहे हैं। जिले में गोसीखुर्द प्रकल्प के साथ बड़े, मध्यम एवं लघु प्रकल्प है। इस वर्ष पर्याप्त बारिश के चलते जलाशयों में भरपूर पानी है। ग्रीष्मकाल में धान फसलों को भी पानी छोड़ा जा रहा है। ग्रीष्मकाल में पेयजल किल्लत से निपटने के लिए शासन नियोजन करता है। लेकिन प्रत्यक्ष में अमल नहीं किए जाने से अनेक स्थानों पर जलसंकट निर्माण होता है।

जिले के 25 गांवों में प्रति वर्ष जल किल्लत होती है। भंडारा शहर में भी कुछ कॉलोनियों में टैंकर से जलापूर्ति होती है। मार्च माह शुरू होते ही पेयजल संकट निर्माण होने लगता है। ग्रीष्मकाल में अनेक गांवों में जलसंकट निर्माण हो जाता है।

अकोला जिले में 800 करोड़ के समझौते

> 190 करोड़ की परियोजनाओं से उत्पादन शुरू

अकोला.

जिले में निवेश को बढ़ावा देने की दिशा में पिछले वर्ष विभिन्न कंपनियों के साथ 800 करोड़ रुपये के समझौता करार किए गए थे। इनमें से लगभग 190 करोड़ रुपये की परियोजनाओं में उत्पादन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। शेष समझौतों को धरातल पर लाने और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए व्यापक प्रयास किए जा रहे हैं। यह जानकारी जिलाधिकारी अजीत कुंभार ने दी।

जिले में नागरिकों की समस्याओं का समाधान करने के उद्देश्य से तालुका स्तर पर साप्ताहिक तक्रार निवारण दिवस का आयोजन किया जा रहा है। पिछले दो सप्ताहों में 454 शिकायतों का निपटारा किया गया है। वहीं, जनवरी माह में जिले में कुल 2,530 शिकायतों का निवारण हुआ। जिलाधिकारी कुंभार ने बताया कि सातकलमी कार्यक्रम के तहत विभिन्न कार्यालयों में स्वच्छता, वेबसाइटों का अद्यतन, रखरखाव, मरम्मत और सूचना पट्टिकाओं को सुव्यवस्थित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। प्रशासन का लक्ष्य निवेश और औद्योगिक विकास को गति देना है, ताकि जिले की आर्थिक प्रगति सुनिश्चित हो सके।

शिव मंदिर के सामने कॉम्प्लेक्स में इलेक्ट्रॉनिक कॉइन मशीन पर पुलिस की कार्रवाई

>2.76 लाख रुपये का सामान जब्त

हिंगनघाट. पुलिस थाने की अपराध शाखा ने 15 फरवरी को गुप्त सूचना के आधार पर आठवड़ी बाजार स्थित शिव मंदिर के सामने एक कॉम्प्लेक्स में छापा मारा। यहां एक दुकान में इलेक्ट्रॉनिक कॉइन मशीन के माध्यम से सट्टे का खेल चलाया जा रहा था। पुलिस को जानकारी मिली थी कि इस मशीन में चाबी का इस्तेमाल करके नंबरों पर पैसे लगाकर हार-जीत का खेल खेला जाता है।

पुलिस की टीम ने जब छापा मारा, तो मौके पर समीर खुशाल गायकवाड़ (उम्र 28) को गेम पार्लर की देखभाल करते हुए पाया गया। गायकवाड़ यह काम नागसेन उर्फ

सुनील वनकर, निवासी वर्धा, के कहने पर कर रहा था। पुलिस ने उसी समय रोशन सुरेश निमजे और अब्दुल जाहिद अब्दुल मतीन को सट्टा खेलते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

कार्रवाई के दौरान पुलिस ने करीब 2 लाख 76 हजार रुपये मूल्य का सामान जब्त किया। इसमें इलेक्ट्रॉनिक कॉइन मशीन और अन्य उपकरण शामिल हैं। आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। इस छापेमारी को जिला पुलिस अधीक्षक अनुराग जैन, अपर पुलिस अधीक्षक डॉ. सागर कवड़े, उपविभागीय पुलिस अधिकारी रोशन पंडित और थाना प्रभारी मनोज गभने के मार्गदर्शन में अंजाम दिया गया। कार्रवाई में डिटेक्शन ब्रांच (डीबी) के सहायक पुलिस निरीक्षक अनिल आलदे, पुलिस हवलदार प्रशांत ठोंबरे, पो.ना. राहुल साठे, विवेक वाकडे, पो.शी. मंगेश वाघमारे, आशिष नेवारे और विजय काले ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मवेशियों की तस्करी करने वाले ट्रक पर कार्रवाई

>14 जानवरों को अपराध शाखा की टीम ने मुक्त कराया

भंडारा. स्थानीय अपराध शाखा के सहायक पुलिस निरीक्षक गिरीश भालेराव को गोपनीय जानकारी मिली कि एक आइशर ट्रक में मवेशियों को नागपुर की ओर ले जाया जा रहा है। भालेराव ने तुरंत थाना पेट्रोल पंप पर नाकाबंदी की और आने वाले वाहन की जांच की। ट्रक की जांच करने पर उसमें 14 पशु पाए गए। इन जानवरों को नागपुर के बूचड़खाने ले जाया जा रहा था।

पुलिस ने सभी जानवरों को मुक्त कराया और गायों को सुरक्षित स्थान पर भेज दिया। लेकिन आरोपी को ट्रक समेत गिरफ्तार कर लिया और उसके खिलाफ पशु अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

परोपकारी आचरण और उत्तम आरोग्य से मिलता है सुखी जीवन: मंदार शास्त्री महाराज

वर्धा.

हमारे आचरण से किसी को दुख या कष्ट नहीं होना चाहिए, क्योंकि दूसरों को दुख देने से जीवन में कभी सच्चा आनंद नहीं मिलता। जब हम दूसरों के दुख को देखकर भावुक होते हैं और उनकी सहायता के लिए हाथ बढ़ाते हैं, तब सच्चे सुख की अनुभूति होती है।" यह प्रेरक विचार नाशिक के भागवताचार्य मंदार शास्त्री महाराज ने व्यक्त किए। वे संत गजानन महाराज मंदिर, मगनवाड़ी चौक में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा में प्रवचन दे रहे थे। उन्होंने कहा, "जैसे एक बार डाल से टूटा फूल वापस नहीं जुड़ सकता, वैसे ही मानव जीवन बार-बार नहीं मिलता। मनुष्य शरीर ईश्वर का अनमोल वरदान है, जिसे ईश्वर ने अपनी संपूर्ण कला और कौशल से बनाया है। मनुष्य को श्रेष्ठ बुद्धि प्रदान की गई है, जिसका सदुपयोग करना ही सच्चे सुख का मार्ग है। महाराज ने आगे कहा कि आजकल इंसान विभिन्न प्रकार के व्यसनों में फंसकर अपना जीवन दुखमय बना रहा है। जीवन जीना एक कला है, और इस कला को परोपकार, अच्छे आचरण और उत्तम स्वास्थ्य के साथ अपनाने से सुखी जीवन संभव है। यह कथा 19 फरवरी 2025 तक चलेगी। इसके बाद 20 फरवरी को सुबह 10 से दोपहर 1 बजे तक गोपालकाला कार्यक्रम होगा। इसके पश्चात शहर के प्रमुख मार्गों से दिंडी, पताका, बैंड-बाजे और पालखी की भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। 21 फरवरी को सुबह गायत्री महिला मंडल द्वारा पंचकुंडी महायज्ञ का आयोजन किया गया है। इसी दिन शाम 5 से 9 बजे तक महाप्रसाद का आयोजन होगा, जिसमें अधिक से अधिक श्रद्धालुओं से शामिल होने की अपील की गई है।

इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष मोहन अग्रवाल, सचिव ज्ञानेश्वर पहाड़े, कोषाध्यक्ष सुशील व्यास और तुलसीराम जुनारे ने भागवताचार्य मंदार शास्त्री महाराज का स्वागत किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में बाबाराव फाले, अजय लांबट, सुरेश मुंजेवार, प्रकाश रायटर, गंगाधर भडंग, अंबादास तलवेकर और किशोर दौड़ सहित अन्य सदस्यों का सक्रिय सहयोग रहा।

रक्तदान शिविर में 100 रक्तदाताओं ने किया रक्तदान

> महिलाओं का उत्साह रहा सराहनीय

हिंगनघाट. छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती एवं नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती के अवसर पर अभिनव विचार मंच एवं पतंजलि महिला योग समिति द्वारा भव्य रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर हिंगणघाट के भारत विद्यालय परिसर में आयोजित किया गया, जिसमें 100 रक्तदाताओं ने रक्तदान कर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाई।

इस शिविर की विशेषता रही कि इसमें महिलाओं की सहभागिता उत्साहजनक रही। बड़ी संख्या में महिलाओं ने स्वेच्छा से रक्तदान किया और समाज में सकारात्मक संदेश दिया। यह रक्तदान शिविर पिछले कई वर्षों से लगातार आयोजित किया जा रहा है। इस शिविर से सिकलसेल और थैलेसीमिया जैसी गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों को निःशुल्क रक्त उपलब्ध कराया जाता है। शिविर को सफल बनाने में अभिनव विचार मंच और पतंजलि महिला योग समिति के कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए निरंतर प्रयास किए। इस अवसर पर आयोजकों ने रक्तदाताओं का आभार व्यक्त किया और कहा कि रक्तदान एक महान सेवा है, जिससे किसी की जिंदगी बचाई जा सकती है। उन्होंने भविष्य में भी ऐसे सामाजिक कार्यों को जारी रखने का संकल्प लिया। रक्तदान शिविर में स्थानीय नागरिकों ने भी उत्साहपूर्वक सहभाग लिया और इस पुनीत कार्य की सराहना की।

किसान अभ्यास दौरे को पालकमंत्री डॉ. पंकज भोयर ने दिखाई हरी झंडी

> किसानों से नई तकनीक अपनाने की अपील: अभिभावक मंत्री

वर्धा.

किसानों को आधुनिक तकनीक से खेती की जानकारी देने और पारंपरिक खेती में बदलाव लाने के उद्देश्य से किसान अभ्यास दौरे का आयोजन किया गया। इस दौरे को वर्धा जिले के पालकमंत्री डॉ. पंकज भोयर ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने किसानों से पारंपरिक खेती के साथ-साथ आधुनिक तकनीकों को अपनाने की अपील की, ताकि उत्पादन में बढ़ोतरी हो सके।

यह दौरा पालकमंत्री डॉ. भोयर के प्रयासों से एक नवाचारी योजना के तहत जिला अधीक्षक कृषि अधिकारी कार्यालय द्वारा आयोजित किया गया। इसमें किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक की जानकारी देने के लिए कृषि विज्ञान केंद्र, बारामती और जैन इरिगेशन, जलगांव का दौरा कराया जाएगा। कार्यक्रम में जिलाधिकारी वान्मथी सी., जिला अधीक्षक कृषि अधिकारी शंकर तोटावार सहित कृषि विभाग के अधिकारी, कर्मचारी और किसान बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

आधुनिक तकनीक से मिलेगा ज्यादा उत्पादन

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पालकमंत्री डॉ. पंकज भोयर ने कहा, "वर्धा जिले में प्रमुख रूप से कपास, सोयाबीन, चना और गेहूं की खेती की जाती है। जबकि पश्चिम महाराष्ट्र के किसान फलों के बगीचे, सब्जी उत्पादन और डेयरी, पोल्ट्री, मत्स्यपालन, बकरी पालन जैसे सहायक व्यवसायों से अपनी आय बढ़ा रहे हैं। विदर्भ और वर्धा में भी ये सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं, लेकिन किसान अभी तक नई तकनीक को अपनाने में पीछे हैं। इस अभ्यास दौरे का उद्देश्य उन्हें नई तकनीकों की जानकारी देना और जीवन स्तर में सुधार लाना है। उन्होंने आगे कहा कि जिले में फलों के बगीचों का क्षेत्रफल अपेक्षाकृत कम है, और इस दौरे से इसमें बढ़ोतरी की संभावना है। पालकमंत्री ने किसानों से आधुनिक पद्धतियों से खेती करने और सहायक व्यवसाय अपनाने का आह्वान किया। इस अभ्यास दौरे में जिले के विभिन्न तालुकों से कुल 264 किसान शामिल हुए। इनमें वर्धा और सेलू तहसील से 45-45, देवली से 45, आर्वी से 39, आष्टी से 23, कारंजा से 22, हिंगनघाट से 22 और समुद्रपुर से 23 किसान शामिल हैं। वर्धा और सेलू तालुका की बसें जिला अधीक्षक कृषि कार्यालय से रवाना की गईं, जबकि अन्य तहसीलों की बसें संबंधित कृषि कार्यालयों से रवाना हुईं। कुल 6 बसों में किसानों को भेजा गया और 13 कृषि अधिकारी व कर्मचारी भी इस दौरे में शामिल हुए।

सेलू में बनेगा कृषि भवन, 2.37 करोड़ रुपए की मंजूरी

कार्यक्रम में पालकमंत्री डॉ. भोयर ने एक महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए बताया कि सेलू कृषि अधिकारी कार्यालय किराए के भवन में संचालित हो रहा है, जिससे किसानों और अधिकारियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। किसानों की बढ़ती संख्या को देखते हुए जिला नियोजन समिति ने 2 करोड़ 37 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की है। जल्द ही नए कृषि भवन का निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा, जिससे किसानों को और अधिक सुविधाएं मिलेगी।

अनियंत्रित ट्रक घर में घुसा, टक्कर के बाद लगी भीषण आग

> वर्धा में 'बर्निंग ट्रक' का खौफनाक नजारा

वर्धा.

महाराष्ट्र के वर्धा जिले के सिंदी मेघे परिसर में नागठाणा शिवार के पास एक दर्दनाक हादसा हुआ। नागपुर-तुलजापुर हाईवे पर दौड़ता हुआ एक ट्रक अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित एक घर में घुस गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रक में देखते ही देखते आग लग गई और वह धू-धूकर जलने लगा। ट्रक में किराने का माल भरा हुआ था, जो आग की चपेट में आकर पूरी तरह से खाक हो गया। गनीमत रही कि ट्रक में सवार चालक और क्लीनर समय रहते वाहन से बाहर निकलने में सफल रहे, जिससे उनकी जान बच गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह ट्रक नागपुर से कर्नाटक के हुबली जा रहा था और इसमें भारी मात्रा में किराना सामान लदा हुआ था। लेकिन वर्धा जिले में नागठाणा शिवार के पास यह हादसा हो गया। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। आग पर काफी मशक्कत के बाद काबू पाया जा सका। इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई है, लेकिन ट्रक और उसमें भरा सामान पूरी तरह जल गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मारेगांव तहसील में भूकंप जैसे झटके

> नागरिक घरों से बाहर निकले

मारेगांव.

शुक्रवार रात करीब 10:15 बजे मारेगांव के कुंभा क्षेत्र सहित कुछ गांवों में जमीन के नीचे से आवाज आने के साथ भूकंप जैसे झटके महसूस किए गए। इससे ग्रामीणों में दहशत फैल गई और लोग घबराकर घरों से बाहर निकल आए। हालांकि, प्रशासन के रिकॉर्ड में इस घटना की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, जिससे झटकों का कारण अब तक स्पष्ट नहीं हो पाया है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कुंभा, पिसगांव, पांढरकवड़ा, नेत, चिंचाला, वडगांव और मांगरूल गांवों में 15 से

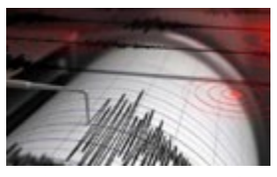

20 सेकंड तक कंपन महसूस किया गया। झटकों के दौरान मकानों की दीवारें हिलने लगीं और कुछ स्थानों पर बर्तन गिरने की भी घटनाएं सामने आईं। जमीन के नीचे से गूंजने वाली आवाज ने ग्रामीणों को और भी ज्यादा डरा दिया। एहतियातन कई लोग रातभर घरों से बाहर खुले में रहे।

घटना की जानकारी मिलते ही मारेगांव के तहसीलदार उत्तम निलावाड ने प्रभावित गांवों का दौरा किया और नागरिकों से बातचीत की। तहसीलदार निलावाड ने बताया, "हमें कुंभा, पिसगांव और पांढरकवड़ा गांवों में भूकंप जैसे झटकों की जानकारी मिली थी। हमने तत्काल गांवों में जाकर स्थिति का जायजा लिया। हालांकि, किसी भी प्रकार की जान-माल की हानि नहीं हुई है। यह जानकारी जिला प्रशासन को भी दी गई है। हालांकि, केंद्र सरकार के भूकंप मापक यंत्रों में इस घटना की कोई भी दर्ज नहीं पाई गई, जिससे प्रशासन भी आश्चर्यचकित है।

विशेषज्ञों के अनुसार, मारेगांव के जिस क्षेत्र में झटके महसूस हुए, वह कोयला पट्टी के रूप में दर्ज है। ब्रिटिश शासनकाल के दौरान इस इलाके में उच्च गुणवत्ता वाले कोयले का पता चला था। अंग्रेजों ने पिसगांव में कोयला खदान शुरू करने की योजना बनाई थी, लेकिन स्वतंत्रता पूर्व समय में यह योजना ठंडे बस्ते में चली गई। भूवैज्ञानिकों का मानना है कि कोयला खनिज वाले इलाकों में कभी-कभी भूगर्भीय हलचलें सामान्य हो सकती हैं।

मारेगांव के साथ ही पड़ोसी केलापूर में भी इसी समय भूकंप जैसे झटके महसूस किए जाने की चर्चा है। दोनों इलाकों में झटके एक ही समय पर महसूस किए गए, जिससे घटना को लेकर जिज्ञासा और बढ़ गई है।

प्रशासन की अपील

प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे अफवाहों से बचें और किसी भी अप्रिय घटना की स्थिति में प्रशासन को तुरंत सूचित करें। साथ ही, विशेषज्ञों से इस घटना की विस्तृत जांच करवाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

सालदरा में शालेय और जीवनोपयोगी सामग्री वितरण समारोह संपन्न

वर्धा. ग्रामीण विकास में सामाजिक और स्वयंसेवी संस्थाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। समाज में ऐसे कई वर्ग हैं जो शिक्षा से वंचित हैं और जिनका न तो आर्थिक, न सामाजिक और न ही शैक्षिक उत्थान हो पा रहा है। ऐसे लोगों के लिए सामाजिक संस्थाओं को आगे आकर मार्गदर्शन करना चाहिए। जब स्थानीय शिक्षित ग्रामीण एक साथ आकर शिक्षा और विकास कार्यक्रमों की योजना बनाकर इसे क्रियान्वित करेंगे, तभी एक आदर्श ग्राम का निर्माण संभव होगा। यह विचार निर्मिक ग्रामीण विकास एवं बहुउद्देशीय संस्था, नागपुर की संचालिका जया सतीश अंभोरे ने व्यक्त किए।

वे 16 फरवरी को सालदरा में निर्मिक

संस्था और ग्राम पंचायत सालदरा द्वारा आयोजित शैक्षणिक एवं जीवनोपयोगी सामग्री वितरण समारोह की अध्यक्षता करते हुए बोल रही थीं। इस कार्यक्रम का उद्घाटन पुंडलिकराव साठे ने किया। वहीं, कार्यकारी अभियंता सतीश अंभोरे, वरिष्ठ समाजसेवी श्यामसुंदर राठी, अखिल भारतीय शास्त्री सोशल फोरम के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष इमरान राही, नायब तहसीलदार चंद्रशेखर वालके, पंजाब नेशनल बैंक के पूर्व अधिकारी दिलीप मसने, निम्म वर्धा परियोजना विभाग के उप-कार्यकारी अभियंता अमोल आठवले सहित कई विशिष्ट अतिथि उपस्थित थे। कार्यक्रम में अतिथियों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए ग्रामीण विकास में शिक्षा और सामाजिक सहभागिता की भूमिका को रेखांकित किया। इस अवसर पर 125 जरूरतमंद महिलाओं को आवश्यक जीवनोपयोगी सामग्री और 115 विद्यार्थियों को शैक्षणिक साहित्य का वितरण किया गया। कार्यक्रम का संचालन नेहा जोशी ने किया, प्रस्तावना नामदेव अखाड़े ने रखी और आभार प्रदर्शन सुरेखा पंढरे ने किया। इस आयोजन को सफल बनाने में दौलत धोरणाडे, गुरुदेव चोरबामले, प्रेमदास सयाम, प्रकाश शिरभाते, सुरेश कुंभेकर, वनिता गजाम, वैशाली किरतकर, तुलसा आत्राम, कल्पना कुंभेकर, रंजना गलाट, प्रेमिला जुगनाके, शालु कासार, मीराबाई कोमटी, संगीता कासार, प्रियंका रौशन, फिजा खान, श्रीकांत पवार, धनंजय खेडकर, राजेश धोपटे सहित अन्य सदस्यों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

बावनकुले के निर्देश पर बाढ़ पीड़ितों को मिली सहायता राशि

रघुवीर मेश्राम के प्रयासों ने दिलाई सफलता

कामठी.

पूर्व पार्षद रघुवीर मेश्राम ने प्रभाग 3 के अनेक बाढ़ पीड़ितों को शासन की ओर से सहायता राशि प्राप्त नहीं हुई थी. इस संबंध में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष, राजस्व मंत्री व पालकमंत्री चंद्रशेखर बावनकुले को निवेदन देकर बाढ़ पीड़ितों को सहायता राशि दिलाने का अनुरोध किया गया था, जिस पर चंद्रशेखर बावनकुले ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिशा निर्देश देकर बाढ़पीड़ितों के खाते में राशि जमा करवाई. ज्ञात हो कि अतिवृष्टि के कारण जुलाई-24 में 19 व 20 तारीख को कामठी के बागडोरा नाले सहित विभिन्न नालों में बाढ़ आने से नालों के किनारे की बस्तियां जलमग्न होने से लोगों के घरों में बाढ़ का पानी प्रवेश कर गया था. जिस पर लोगों के घरों में रखा सामान, अनाज आदि घरेलू उपयोगी सामान का भारी नुकसान हुआ था. इस प्राकृतिक आपदा के बाद शासन से बाढ़ प्रभावितों को सहायता राशि प्रदान करने की मांग लगातार किए जाने के बाद करोड़ों रूपयों की सहायता राशि राज्य सरकार ने तहसील कार्यालय के माध्यम से बाढ़ पीड़ितों के खातों में जमा की गई.

किंतु कई ऐसे लोग हैं जिनके खातों में सहायता राशि नही मिलने से उनमें रोष व्याप्त था, इस पर पूर्व पार्षदों ने तहसील कार्यालय जाकर निवेदन दिए गए तथा जिन बाढ़ पीड़ितों के खातों में सहायता राशि नहीं आई ऐसे लोगों को तुरंत सहायता राशि प्रदान कराने की मांग की गई थी किंतु कोई लाभ नहीं हुआ, क्षेत्र के विधायक व राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले से लोगों ने गुहार लगाई तथा बाढ़ पीड़ितों को सहायता राशि दिलाने की मांग की गई, आखिरकार देर से ही 7 माह बाद अनेक बाढ़ पीड़ितों के खातों में सहायता राशि भेजे जाने की जानकारी मिली है. पूर्व पार्षद रघुवीर मेश्राम ने बताया कि, प्रभाग 3 के अनेक बाढ़ पीड़ितों को शासन की ओर से सहायता राशि प्राप्त नहीं हुई थी. इस संबंध में मंत्री बावनकुले को निवेदन देकर बाढ़ पीड़ितों को सहायता राशि दिलाने का अनुरोध किया गया. जिस पर चंद्रशेखर बावनकुले के प्रयासों से प्रभाग 3 के अनेक बाढ़ पीड़ितों के खातों में हाल ही में सहायता राशि जमा हुई है, उन्होंने बताया कि बाढ़ पीड़ितों को सहायता राशि मिलने की जानकारी कामठी के तहसीलदार गणेश जगदाले ने दी है.

आदिवासी पारधी समाज के लिए विशेष राजस्व शिविर

स्कूली विद्यार्थियों समेत नागरिकों के जाति प्रमाणपत्र जारी

वाड़ी.

राज्य के राजस्व मंत्री के निर्देशानुसार नागपुर जिले के भटके विमुक्त जाति एवं जनजाति के विद्यार्थियों और नागरिकों को आवश्यक प्रमाणपत्र उपलब्ध न होने के कारण वे सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से वंचित न रहें, इसके लिए गोंडखैरी ग्राम पंचायत में शुक्रवार को आदिवासी नागरिकों के लिए विशेष शिविर का आयोजन किया गया. इस उपलक्ष्य में उपविभागीय अधिकारी और एकीकृत आदिवासी परियोजना अधिकारी ने नीतिगत निर्णय लेकर पारधी समाज के लिए विशेष राजस्व शिविर आयोजित किया. इसका उद्देश्य आदिवासी बस्तियों और वंचित लाभार्थियों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना और उपेक्षित वर्गों को न्याय दिलाना था, इस कार्य में राजस्व विभाग, आदिवासी विभाग, सामाजिक न्याय विभाग के साथ-साथ आदिवासी पारधी विकास परिषद की सहभागिता रही।

यह शिविर सावनेर के उपविभागीय अधिकारी संपत खालाटे और कळमेश्वर तहसीलदार रोशन मकवाने के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ. आदिवासी पारधी विकास परिषद के विदर्भ अध्यक्ष बबन गोरामन की उपस्थिति में गोंडखैरी ग्राम पंचायत कार्यालय में पारधी समाज के लोगों को विभिन्न राजस्व प्रमाणपत्र एवं प्रशासन से जुड़े अन्य दस्तावेज प्रदान किए गए. इस अवसर पर नायब तहसीलदार ज्योति जाधव, मंडल अधिकारी संजय फुसांडे, तलाठी विनोद मोंडे, ग्राम विकास अधिकारी हितेंद्र फुले, सामाजिक कार्यकर्ता दिनू भोसले, साजन पवार, किशोर भोसले, शुभम पवार, रेवेसिंग राजपूत, ऋषभ आत्राम, लक्ष्मण भोसले, दिवेश भोसले, अष्की स्वामी, सतिश माळी सेतू विभाग के कर्मचारी और पारधी समाज के स्कूली विद्यार्थी व नागरिक उपस्थित रहे।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा की

सौसर.

सिविल अस्पताल सौसर में शनिवार को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एन के शास्त्री एवं डॉ योगेश आर शुक्ला ने सभी राष्ट्रीय कार्यक्रमों की बिंदूवार समीक्षा की. मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत गर्भवती माताओं का शीघ्र पंजीयन में जिन उपस्वास्थ्य का लक्ष्य अनुरूप कार्य नहीं हुआ है. उन्हें हिदायत देते हुए शीघ्र पंजीयन न होने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी दी है. समीक्षा में चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि पंजीकृत माताओं की 4 जांच शत प्रतिशत करे वही हाइरिस्क गर्भवती महिलाओं की निगरानी कर निरंतर संपर्क में रहकर प्रबंधन किया जाए. संचारी रोग के कम पंजीयन पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने नाराजगी व्यक्त की, बी पी, शुगर के मरीजों का फॉलोअप शत प्रतिशत करने को कहा. टीबी प्रोग्राम के अंतर्गत सभी संभावित मरीजों की जांच किया जाना है, जिनकी जांच सी बी नॉट एवं एक्सरे से की जा रही है. रामाकोना एवं बेरडी उपस्वास्थ्य से सैंपल कम आए है जांच कम की गई है, सभी टी बी मरीजों को फूड वास्केट प्रदाय किया जाना है, एवं 2 फॉलो अप सभी मरीजों का करना है.

रुद्राभिषेक के साथ महाशिवरात्रि महोत्सव 2025 का शंखनाद

वंजारी परिवार के हाथों हुआ प्रथम रुद्राभिषेक, 22 से हरिकिर्तन एवं श्रीमद्भागवत कथा

सौंसर.

सुप्रसिद्ध अर्धनारीश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर मोहगांव हवेली में प्रतिवर्षानुसार रुद्राभिषेक के साथ महाशिवरात्रि महोत्सव 2025 का श्रीगणेश हुआ. इस वर्ष भी प्रथम रुद्राभिषेक वंजारी परिवार के हाथों संपन्न हुआ. रुद्राभिषेक प्रतिदिन चार पालियों में संपन्न होगा, उसी प्रकार प्रतिवर्षानुसार रामदास नवमी शनिवार 22 फरवरी को घट स्थापना, दीप प्रज्वलन, घंटानाद के साथ प्रतिदिन दोपहर 1 बजे से शाम 5 बजे तक अंतरराष्ट्रीय कथा प्रवक्ता देवी चित्रलेखा इनके मुखारविंद से हिन्दी भाषा में श्रीमद् भागवत कथा तथा रात्री 8 बजे से महाराष्ट्र के सुप्रसिद्ध कितनकारों के श्रीमुख से मराठी भाषा में हरिकिर्तन होगा. हरिकिर्तन की श्रृंखला में शनिवार 22 फरवरी को हभप ज्ञानेश्वर महाराज भुतेकर (आळंदी), रविवार को हभप संजय महाराज (पुणे), सोमवार को हभप माऊली महाराज, मंगलवार को हभप दिपालीताई खिळे, बुधवार को हभप सोपान दादा कनेकर, गुरुवार को हभप सुनिताताई आंधळे, शुक्रवार को हभप समाधान महाराज भोजेकर तथा शनिवार 1 मार्च 2025 को रात्रि में हभप पुरुषोत्तम महाराज पाटील इनके श्रीमुख से हरिकिर्तन होगा. महाशिवरात्रि महोत्सव का समापन रविवार 2 मार्च को सुप्रसिद्ध राष्ट्रीय किर्तनकार हभप पुरुषोत्तम महाराज पाटील इनके मुखारविंद से गोपाल काला किर्तन, दही हांडी कार्यक्रम के साथ होगा, तत्पश्चात् विशाल भंडारा महाप्रसाद होगा.

अंतरशालेय वादविवाद स्पर्धा में भाग्यश्री एकूणकर की शानदार सफलता

स्व. दौलतराव ढवले बहुउद्देशीय शिक्षण संस्था की होनहार छात्रा

नागपुर. सेवादल शिक्षण संस्था द्वारा संचालित विदर्भ बुनियादी हाईस्कूल और जूनियर कॉलेज, ओमनगर नागपुर में संस्थापक स्वर्गीय केशवराव शेंडे की जयंती के अवसर पर अंतरशालेय वादविवाद प्रतियोगिता का आयोजन सत्र 2024-25 से किया गया. इस प्रतियोगिता का विषय था "आज के विद्यार्थियों में राष्ट्रभक्ति की भावना कम हो रही है" इस प्रतियोगिता में श्री सत्यसाई कॉन्वेंट की छात्रा कुमारी भाग्यश्री महेंद्र एकूणकर और अनन्या निखिल ताजनेकर ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया, साथ ही, श्री सत्यसाई विद्यामंदिर के छात्र मनीष तुकाराम गोरले और उन्नती संजय केदार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया. इस शानदार प्रदर्शन के चलते श्री सत्यसाई कॉन्वेंट को द्वितीय स्थान और श्री सत्यसाई विद्यामंदिर को तृतीय स्थान से सम्मानित किया गया. पुरस्कार वितरण समारोह में संस्था के अध्यक्ष नरेंद्र ढवले, सचिव राजेंद्र वाटाणे, दौलत ढवले हाईस्कूल की मुख्याध्यापिका डॉ. रश्मी वाटाणे, सत्यसाई विद्यामंदिर के प्रधानाध्यापक निलेश सोनटक्के और कॉन्वेंट की प्रधानाध्यापिका स्नेहल बांगरे ने विजयी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की. विद्यार्थियों ने अपनी सफलता का श्रेय अपने शिक्षक और माता-पिता को दिया, जिन्होंने उन्हें लगातार मार्गदर्शन और प्रेरणा दी. यह सफलता न केवल विद्यालय के लिए गर्व का विषय है, बल्कि विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम और वाद-विवाद कला को प्रोत्साहित करने का एक प्रेरणादायक उदाहरण भी है।

रामाकोना पंचायत में सरपंच के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव

सौसर. सौसर में बीते कुछ माह से विवादों में रहनेवाली ग्राम पंचायत रामाकोना में उपसरपंच एवं पंचों ने सरपंच श्वेता गगन गोहेल के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव के लिए अनुविभागीय राजस्व अधिकारी के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया था. जिसके आधार पर एसडीएम सिद्धार्थ पटेल ने मध्यप्रदेश पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 की धारा 21 के अधीन सरपंच के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव के पुष्टीकरण के लिए तहसीलदार भावना मलगाम को पीठासिन अधिकारी नियुक्त करते हुए 24 फरवरी के पूर्व सम्मेलन लेने के निर्देश दिये गये. जिसके आधार पर आगामी 21 फरवरी को दोपहर 12 बजें ग्राम पंचायत का सम्मेलन आयोजित किया गया है.

उल्लेखनीय हो कि, पंचों ने गत दिवस अनुविभागीय राजस्व अधिकारी के समक्ष अविवास प्रस्ताव के लिए 3 बिन्दुओं का तर्क दिया गया था. जिसमें सरपंच की ओर से मासिक बैठक में आय-व्यय का अनुमोदन नही करना, सामान्य प्रशाशन समिति की बैठक का आयोजन नही करना, निर्माण समिति की भी बैठक नही लेने के अलावा सामान्य प्रशासन समिति में भुगतान की गई राषि का अनुमोदन नही करने का उल्लेख किया गया था. वही सरपंच ने मध्यप्रदेश पंचायत नियम 1999 की धारा 3 उपधारा (2) धारा 3 (4), माल खरीदी नियमों का पालन नही करने तथा अधिनियम के अधीन रहते हुए सरपंच पद पर रहते हुए कर्तव्य के निर्वहन में गंभीर वित्तिय अनियमित्ताएं किये जाने का दोषी पाया गया था।

पंचों ने कलेक्टर से की गई शिकायत के दौरान सरपंच ने अवैधानिक रूप से लाखों रूपयें के आहरण का भी मामला उजागर हुआ था। बहरहाल अब देखना यह है कि, 21 फरवरी के अविश्वास प्रस्ताव में क्या सरपंच अपने पद पर बनी रहेंगी या फिर पूर्ववत सरपंचों की तरह पद से हटा दी जायेगी. इस संबंध में सरपंच का पक्ष नहीं मिल पाया है।

शुभांक		
श्रीदेवी	299-0	335-1
श्रीदेवी नाईट	368-7	248-4

विशेषज्ञ डॉक्टरों के साथ मेडिकल कैंप, अमेरिका से डॉक्टरों की भागीदारी

निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविरों को मिला अच्छा प्रतिसाद

वाड़ी.

मिशन इंडिया हॉस्पिटल, खड़गांव ने 10 फरवरी 2025 से 14 फरवरी 2025 तक लावा, चिचोली, येरला, सावली, फेटरी, दहेगांव, द्रुगधामना, पारसोनी और कुही समेत कई गांवों में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किए गए. इन शिविरों को ग्रामीणों से शानदार प्रतिसाद मिला. कुल 1866 ग्रामीणों ने इन मुफ्त स्वास्थ्य जांच शिविरों का लाभ उठाया, इसके अलावा, सभी गांवों में दवाइयाँ और चश्मे भी वितरित किए गए.

इस पूरे शिविर का समन्वय मिशन इंडिया हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. रेगी लूकोस, मेडिकल डायरेक्टर डॉ. बी. ओ. टायडे और टीम कोऑर्डिनेटर वेणु जी ने किया. शिविर में सभी गांवों के सरपंचों के अलावा अनिल फिलिप, डॉ. जैकब, डॉ. एमएन केला, वृशाली, पल्लवी, ईशा और मिशन इंडिया हॉस्पिटल के समस्त स्टाफ के साथ-साथ अमेरिका से आए डॉक्टरों ने भी भाग लिया. गांवों के सरपंचों ने डॉक्टरों, सहायक कर्मचारियों और अन्य सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया.

जिन्होंने गरीब ग्रामीणों को चिकित्सा सेवाए प्रदान कीं और चश्मे वितरित किए, इसके अलावा, मिशन इंडिया हॉस्पिटल ग्रामीण युवाओं को पैरामेडिकल ट्रेनिंग भी प्रदान कर रहा है, जिससे उन्हें भविष्य में स्वास्थ्य सेवाओं में योगदान देने का अवसर मिलेगा.

कमजोर हृदय का ईईसीपी से सफल उपचार

बिना महंगे आईसीडी पेसमेकर ऑपरेशन

डॉ. सचिन देव्हारे
संचालक
प्रिवेंटिव कार्डियोलॉजिस्ट और मुग्धा ईईसीपी हार्ट केयर सेंटर

नागपुर.

तीन साल से थी हृदय रोग की परेशानी

मीना डोडानी पिछले तीन वर्षों से सांस लेने में तकलीफ, चलने-फिरने में असमर्थता, हाथ-पैरों में सूजन और बार-बार चक्कर आने की समस्याओं से जूझ रही थीं। उनका 2डी ईकोकार्डियोग्राफी टेस्ट किया गया, जिसमें हृदय की पंपिंग क्षमता मात्र 15% पाई गई, जबकि सामान्य रूप से यह 60% होनी चाहिए। इसके अलावा, हृदय की धड़कन भी अनियमित पाई गई, जिससे उन्हें गिरने और हृदय गति रुकने का खतरा बना रहता था। एंजियोग्राफी में हृदय की एक नलिका में 30-40% ब्लॉकेज पाया गया। हृदय रोग विशेषज्ञों ने उन्हें आईसीडी पेसमेकर डिवाइस लगवाने की सलाह दी, जिसकी अनुमानित लागत 10 लाख रुपये थी। लेकिन ऑपरेशन के बावजूद भी पूर्णत: राहत की कोई गारंटी नहीं दी गई, जिस कारण परिवार इस उपचार को लेकर असमंजस में था।

हृदय रोग से पीड़ित अकोट निवासी मीना डोडानी का नागपुर के प्रसिद्ध प्रिवेंटिव कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. सचिन देव्हारे द्वारा ईईसीपी थेरेपी से सफलतापूर्वक उपचार किया गया। यह उपचार नागपुर के अजनी चौक स्थित मुग्धा ईईसीपी एंड हार्ट केयर सेंटर में हुआ, जिससे उन्हें महंगे और जोखिमभरे आईसीडी पेसमेकर ऑपरेशन से बचाया जा सका।

ईईसीपी उपचार की सलाह और निर्णय: इसी दौरान किसी परिचित ने उन्हें ईईसीपी थेरेपी के बारे में बताया, जिसने पहले अपने कमजोर हृदय का पंपिंग इसी उपचार से बढ़ाया था। इसके बाद उन्होंने नागपुर में मुग्धा ईईसीपी हार्ट केयर सेंटर में डॉ. सचिन देव्हारे से परामर्श लिया। डॉक्टर ने उन्हें बताया कि ईईसीपी थेरेपी हृदय की पंपिंग बढ़ाने में कारगर सिद्ध हुई है। मुंबई के एशियन हार्ट हॉस्पिटल में भी इस थेरेपी का प्राथमिक उपचार के रूप में उपयोग किया जाता है।

Dr Devhare's
US-FDA Approved
MUGDHA EECP &
HEART CARE CENTER
"A Non Invasive Treatment For Coronary Artery Disease"

ईईसीपी थेरेपी बिना सर्जरी और बिना चीर-फाड़ के हृदय को मजबूत करती है और पंपिंग बढ़ाती है। परिवार ने डॉक्टर की सलाह मानते हुए ऑपरेशन की जगह ईईसीपी थेरेपी को चुना।

उपचार और चमत्कारी सुधार: मीना डोडानी को 40 ईईसीपी सेशन, 5 ग्लूटा इंजेक्शन और 10 एसीटी इंजेक्शन दिए गए। केवल 10-15 दिनों में ही उनकी सांस की तकलीफ और सूजन में काफी सुधार देखने को मिला। जो मरीज 15 कदम चलने में असमर्थ थीं, उन्होंने आधा किलोमीटर तक मॉर्निंग वॉक करना शुरू कर दिया। उपचार पूरा होने के बाद उनका दोबारा 2D ईकोकार्डियोग्राफी और 3D वास्कुलोग्राफी टेस्ट कराया गया। रिपोर्ट में हृदय की पंपिंग क्षमता 30-35% तक बढ़ी हुई पाई गई। वहीं, कोरोनरी नैरोइंग इंडेक्स शून्य आया और रक्त संचार सामान्य हो गया। धीरे-धीरे पंपिंग 40% तक पहुंच गई।

अब स्वस्थ और सामान्य जीवन: अब मीना डोडानी पिछले दो वर्षों से पूरी तरह स्वस्थ और सामान्य जीवन व्यतीत कर रही हैं। उन्हें न तो आईसीडी पेसमेकर ऑपरेशन की जरूरत पड़ी और न ही हार्ट ट्रांसप्लांट की। उनके दामाद एडवोकेट जसवानी और बेटी पूजा जसवानी ने डॉ. सचिन देव्हारे, डॉ. रीता देव्हारे और मुग्धा ईईसीपी हार्ट केयर सेंटर की पूरी टीम का आभार व्यक्त किया।

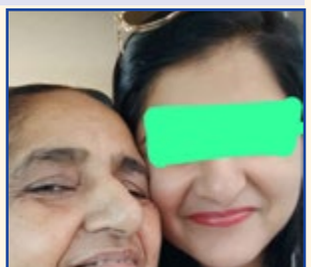

श्रीमती मीना डोड़नी तथा उनकी लड़की पूजा जसवानी

ईईसीपी थेरेपी: हार्ट पंपिंग बढ़ाने का सुरक्षित विकल्प, डॉ. सचिन देव्हारे ने बताया कि यदि किसी मरीज को कमजोर हृदय, कम पंपिंग, बायपास सर्जरी, एंजियोप्लास्टी या आईसीडी पेसमेकर की सलाह दी गई हो, तो ईईसीपी थेरेपी एक सुरक्षित और प्रभावी विकल्प हो सकता है। यह उपचार बिना ऑपरेशन, बिना दर्द और बिना जोखिम के हृदय को मजबूत बनाता है।

ट्रक में ही जिंदगी काट रहे पवार दंपत्ति, पत्नी और दो बेटियों के साथ रोजाना संघर्ष

आरटीओ और पुलिस की लूट से परेशान

नागपुर.

महाराष्ट्र के बुलढ़ाणा जिले के सिंदखेड राजा तालुका के जनूना गांव के रहने वाले एकनाथ तुकाराम पवार और उनकी पत्नी ललिता पवार बीते दस वर्षों से अपने परिवार के साथ ट्रक में ही सफर कर रहे हैं। उनके साथ उनकी दो छोटी बेटियां (7 और 5 वर्ष की) भी ट्रक में ही रह रही हैं, जबकि उनकी बड़ी बेटी (9 वर्ष की) गांव में रहती है। परिवार का जीवन संघर्षों से भरा है, जिसमें रोज मर्रा की जरूरतें पूरी करना भी एक बड़ी चुनौती बन गया है. यह आपबीती वाडी समीप वडधामना में देखी गई जब पवार दंपति अपनी बेटियों के साथ गाड़ी भरने आए और एक ओर गाड़ी खड़ी कर मदद की आशा लगाए बैठे थे।

सड़क पर संघर्ष और दो वक्त की रोटी के लिए जद्दोजहद, पवार दंपत्ति पुणे से नागपुर के बीच माल की ढुलाई का काम करते हैं, लेकिन इस दौरान उन्हें आरटीओ और पुलिस की अवैध वसूली से गुजरना पड़ता है. आए दिन उन्हें कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है. खाने के लिए भी कई बार संघर्ष करना पड़ता है, और कभी-कभी सिर्फ एक वक्त का खाना नसीब होता है. साल 2023 में उन्होंने महिंद्रा कंपनी का ट्रक खरीदा, लेकिन कंपनी की ओर से कोई सहयोग नहीं मिलने की जानकारी एकनाथ ने दी, ट्रक में बार-बार तकनीकी खराबी आने के कारण कई बार रास्ते में गाड़ी बंद हो जाती है, जिससे उनके कमाई के साधन पर भी असर पड़ता है. कर्ज़, आर्थिक तंगी और मानसिक दबाव, परिवार की स्थिति इतनी खराब हो गई है कि प्रति महीने 68,500 रुपये की किस्त चुकाने के बाद घर चलाना मुश्किल हो जाता है, एकनाथ पवार बताते हैं कि कभी-कभी उन्हें इतना मानसिक दबाव महसूस होता है कि खुद की जान लेने का भी विचार आ चुका है.

उनकी पत्नी ललिता पवार भी ट्रक चलाने में उनका साथ देती हैं, साथ ही, वह बच्चियों को पढ़ाई के लिए प्रेरित भी करती हैं। लेकिन सड़क पर रहते हुए बच्चियों को शिक्षा देने और उनका सही तरीके से पालन-पोषण करने की चुनौतियां बढ़ती जा रही हैं। परिवहन माफिया और सरकारी तंत्र से परेशान ट्रक चालक, ट्रक चालकों को आरटीओ, पुलिस और परिवहन माफियाओं की जबरन वसूली से रोजाना दो-चार होना पड़ता है। यह समस्या सिर्फ पवार दंपत्ति की नहीं, बल्कि कई ट्रक मालिकों की भी है. इन्हीं परेशानियों के चलते "गोपाल परिवार फाउंडेशन और भाईचारा राजमार्ग सेवा संगठन" ने मदद का आश्वासन दिया है. मदद की उम्मीद में बैठे पवार दंपत्ति, अब पवार दंपत्ति सरकार और सामाजिक संगठनों से मदद की उम्मीद लगाए बैठे हैं।

बढ़ रहा मदद का हाथ

जैसे ही पवार दंपत्ति की जानकारी सामाजिक कार्यकर्ता प्रलाद अग्रवाल और नरेंद मिश्रा,दिनेश अग्रवाल को मिली. गोपाल परिवार फाउंडेशन और भाईचारा राजमार्ग परिवहन सेवा, शिवाजी वाहनचालक संगठन ने पवार दंपत्ति में आशा की किरण जगाई, आने वाले समय में संगठन ने पवार दंपत्ति को अच्छी मदद मिलने की जानकारी दी गई।